

दीक्षा के साथ स्पर्धा परीक्षा की तैयारी करें

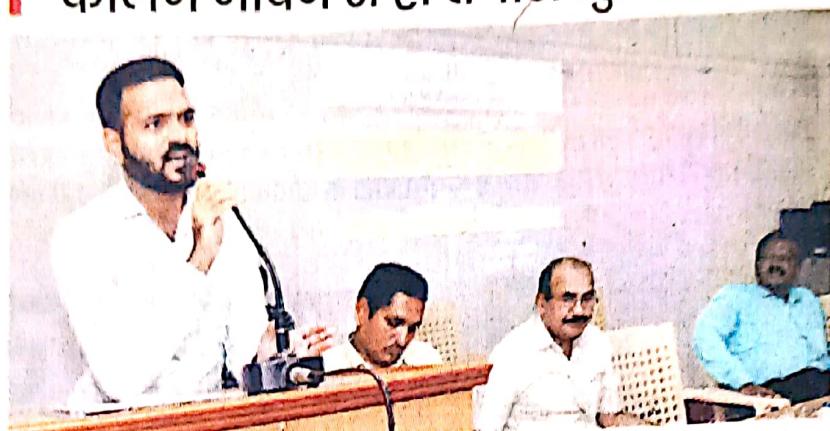
एसडीएम जंगम
का कहना

लोकसत् समाचार सेवा

देगलूर: यदि छात्र अपने जीवन में प्रशासनिक क्षेत्र चुनना चाहते हैं तो उन्हें अपने कॉलेज जीवन से ही स्पर्धा परीक्षाओं का लक्ष्य अपने सामने रखकर उसकी तैयारी करें. यह बात देगलूर के सहायक जिलाधिकारी कुलदीप जंगम ने कही.

वह स्थानीय देगलूर महाविद्यालय के जूनियर कॉलेज के छात्रों के लिए स्पर्धा परीक्षा मार्गदर्शन केंद्र के उद्घाटन समारोह

जीवन में प्रशासनिक क्षेत्र चुनना है तो कॉलेज जीवन से ही तैयारी शुरू कर दें



देगलूर महाविद्यालय में शुक्रवार को जूनियर कॉलेज के छात्रों के लिए स्पर्धा परीक्षा केंद्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सहायक जिलाधिकारी कुलदीप जंगम. साथ हैं कॉलेज के प्राचार्य डॉ मोहन खताल और उपस्थित छात्र-छात्राएं.

में प्रमुख अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहन खताल ने की।

जंगम ने कहा कि विद्यार्थियों को उसी समय से अपना लक्ष्य निर्धारित कर लेना चाहिए जब वे 11वीं और 12वीं कक्षा में पढ़ रहे होते हैं। वे वर्तमान में किसी भी स्ट्रीम में पढ़ रहे हों, केवल उन पुस्तकों को पढ़ना और अध्ययन करना आवश्यक है जो स्पर्धा परीक्षा में सफल होने के लिए आवश्यक हैं। वर्तमान समय स्पर्धा का युग है। ग्यारहवीं से बारहवीं कक्षा तक जूनियर कॉलेज में पढ़ाई के समय से ही स्पर्धा परीक्षा की

तैयारी करने का लक्ष्य रखना चाहिए। उस लिहाज से आज की जरूरत है कि हम अपनी पढ़ाई लगातार जारी रखें। आज ग्रामीण क्षेत्रों में स्पर्धा केंद्र आपको विभिन्न विषयों में मार्गदर्शन करने में सक्षम हैं, साथ ही अध्ययन केंद्र पर किताबें उपलब्ध हैं।

यह सुविधा देगलूर कॉलेज द्वारा प्रदान की गई है। इन सुविधाओं का लाभ उठाने का आह्वान कुलदीप जंगम ने छात्रों से किया। प्राचार्य डॉ मोहन खताल ने कहा कि कॉलेज ने जूनियर कॉलेज के छात्रों के लिए स्पर्धा मार्गदर्शन केंद्र की सुविधा प्रदान की है। इसमें किताबें, कंप्यूटर सेवाएं, इंटरनेट

सेवाएं जैसी विभिन्न सुविधाएं केंद्र में उपलब्ध कराई गई हैं। छात्रों को इन सुविधाओं का लाभ उठाकर स्पर्धा परीक्षा के लिए अध्ययन करने का आह्वान किया। इस मौके पर प्राचार्य ने बताया कि हर सप्ताह एक विशेषज्ञ द्वारा विद्यार्थियों को स्पर्धा परीक्षा के लिए मार्गदर्शन किया जाने वाला है। इस अवसर पर डॉ धनराज लजड़े, उप प्राचार्य उत्तम कुमार कांबले, पर्यवेक्षक संग्राम पाटील, शिक्षक व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रा संतोष वानोले ने किया, तो प्रा बालासाहब नागरगोजे ने आभार व्यक्त किया।